केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	... (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कु... शब्दों में		कु...
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

➔ प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा ... ईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य प... एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
...ाही उच्च ... ाक ...उत्कृष्ट ... क्र. 1 छतरपुर (म...)	S.S. DWIVEDI (UMS) Govt. H.S.S. Khajuraho V.No. 221028-4

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ के अंक = 5

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० - 1

(i) (a) मादा शूकर

(ii) (d) बकरी

(iii) (a) जमुनापारी

(iv) (b) 25%

(v) (c) एन्थ्रेक्स का

(vi) (b) मछली से

5 + 6 = 11

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० -2

(i) अंत: परजीवी

(ii) मछली

(iii) 114 दिन

(iv) लोही

(v) National Dairy Development Board

(vi) 4°C

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० - 3

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

(vi) सत्य

16 + 5 = 21

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० - 4

(i) ग्रोअर → (b) मुर्गी

(ii) साल्मोनेला जीवाणु → (c) पुलोरम

(iii) स्वीपॉक्स वायरस → (e) काउल पॉक्स

(iv) गलघोंटू → (a) पाश्चुरेला बोविसेप्टिका

(v) [illegible] → (d) क्लॉस्ट्रीडिम सोविसम याई

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 5

(i) तुनकी तथा न्यूकेसिल्स

(ii)

(iii) कॉपर सल्फेट

(iv) ~~स्टेट~~ पनीर

(v) आइसक्रीम में ओवर रन = आइसक्रीम का आयतन - मिश्रण में मिली हुई हवा का आयतन / मिश्रण में मिली हुई हवा का आयतन X 100

(ii) हरे चारे की फसल को उपयुक्त समय पर उगाना तथा कटाई के बाद हरी अवस्था में पशुओं को खिलाने की क्रिया सोयलिंग कहते है।

25 + 2 = 27

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र.- 6 (अथवा)

दही का संघटन (Composition of curd) :-

	अवयव	मात्रा
1.	वसा	5.8 %
2.	जल	85.8 %
3.	[illegible]ीन	3.2 %
4.	लैक्टोज	4.9 %
5.	भस्म	0.7 %

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. 7

~~उत्त~~ उत्तम साइलेज के दो गुण निम्नलिखित है (There are two characteristics of good silage) :-

(i) उत्तम साइलेज में कैरोटीन की उपस्थिति के कारण हरा रंग होना चाहिए।

(ii) उत्तम साइलेज में पोषक तत्वों की ~~ह्रास~~ कमी नही होनी चाहिए।

B
S
E

29 + 2 = 31

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. - 8 (अथवा)

विषज्वर के दो लक्षण निम्नलिखित है (There are two symptoms of Anthrax) :-

1. विषज्वर में पशु को बुखार आता है। तिल्ली का आकार बढ़ जाता है।

2. इस रोग में पशु के प्राकृतिक छिद्रों से कोलतार जैसे पदार्थ का स्त्राव होता है।

BSE

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 9

शहरी बकरी का नाम (name of city goat) - बरबरी

लक्षण (Characteristic) :-

1. बरबरी बकरी का कद छोटा होता है । सींग छोटे, कान छोटे, चुस्त व कसा हुआ शरीर होता है । इसके पूरे शरीर पर छोटे नरम बाल पाये जाते है ।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र॰ -10

बीकानेरी भेड़ का मूल स्थान (Origin of Bikaneri sheep) - राजस्थान का बीकानेर

विशेषता (Characteristic) -

1. बीकानेरी भेड़ का कद मध्यम होता है। आँखें बड़ी, चमकीली तथा उभरी हुई होती है। ~~कान~~ नाक 'V' आकृति की होती है।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 11

क्रीम का औसत संघटन (Average composition of cream) :-

	अवयव	मात्रा
1.	जल	65.5%
2.	वसा	26%
3.	प्रोटीन	3%
4.	लेक्टोज (दुग्ध शर्करा)	4.2%
5.	एल्ब्युमिन	0.8%
6.	खनिज पदार्थ	0.6%

B
S
E

2

37 + 0 = 37

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. -12 (अथवा)

मक्खन बनाते समय आवश्यक दो बातें निम्नलिखित है
(There are two points of during butter making) :-

B 1. मक्खन बनाते समय वसा की पूरी मात्रा को निकाल लेना चाहिए।

S

E 2. मक्खन में डाई-एसीटिल की उपस्थिति के कारण उसमें सुवास होना चाहिए। मक्खन को अधिक नहीं धोना चाहिए अन्यथा सुवास नष्ट हो जाती है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 13

पशुओं का स्वास्थ्य अच्छा नही होने के तीन कारण निम्नलिखित है
(There are ~~three~~ causes of poor health of cattles) :-

1. भारत में अधिकांश किसान निर्धन है जिसके कारण वे पशुओं के रहने के लिये उचित आवास तथा उचित भोजन का प्रबंध नही कर पाते हैं।
कम पढ़े-लिखे अथवा अनपढ़ होने के कारण पशुओं के लिये पोषण ~~मूल्य~~ की पूर्ति का उचित तरीका मालूम नही है।

2. चिकित्सा की विधि पर कम भरोसा है। पशुओं के बीमार होने पर झाड-फूँक में अधिक समय गवा देते है।

3. किसानों का पशुपालन के प्रति ~~वैज्ञानिक दृष्टिका~~ व्यावसायिक दृष्टिकोण नही है।

B
S
E

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० -14 (अथवा)

कुल्फी बनाने की फ्लो चार्ट विधि (Flow chart method of kulfi making):-

स्वच्छ व ताजे दूध का चयन

↓

दूध को गर्म करना (अँगीठी या स्टोव की सहायता से)

↓

उबलते हुये दूध में क्रीम मिलाना

↓

दूध में शक्कर मिलाना।

↓

प्राप्त मिश्रण के गाढ़े होने पर मेवे व रंग मिलाना

↓

तैयार मिश्रण को स्टोव से उतारना।

↓

मिश्रण को ठण्डा करना

↓

मिश्रण को छानना

↓

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

मिश्रण को साँचों में भरना व बंद करना

↓

मटके में बर्फ तथा नमक (4 : 1) भरना

↓

मटके में साँचों को डालना

↓

मटके में 0°C तापक्रम पर 2-4 घंटे में कुल्फी जमना

B
S
E

45 - 3 = 46

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 15 (अथवा)

संघनित दूध बनाने के तीन चरण निम्नलिखित है (There are following three steps of condensed milk making) :-

1. दूध का मानकीकरण (Standardization of milk) - स्वच्छ व उत्तम गुणों वाले दूध का चयन करने के बाद मानकीकरण किया जाता है। मानकीकरण में वसा तथा वसा विहीन ठोस की मात्रा क्रमशः 9 तथा 22 प्रतिशत बनाई जाती है।

2. ~~पूर्वत~~ पूर्वतापन (Forewarming) - दूध को 62.8 °C तापक्रम पर गर्म किया जाता है। गर्म करने के पश्चात् शक्कर मिलाई जाती है।

3. दूध का संघनन - दूध का संघनन शून्यक पात्र में किया जाता है। शून्यक पात्र में दूध को भाप कुण्डलों द्वारा गर्म किया जाता है। 25 °C तापक्रम पर दूध उबलने लगता है। दूध का सबसे अच्छा संघनन 75 - 85 °C पर होता है। सांद्रता बढ़ने पर ठोस की मात्रा बनती है। इस तरह संघनन की क्रिया होती है। अंत में पैकिंग कर ठंडे स्थान पर रखते है।

B S E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 16 (अथवा)

1. प्रोब - यह यंत्र प्लास्टिक अथवा स्टील का बना होता है। प्रोब का उपयोग पशुओं के घाव की गहराई मापने ~~मापने~~ में होता है। इसका अलावा इसका उपयोग घाव में दवा भरने में भी किया जाता है।

2. स्पैन्चुला - यह साधारण छुरी की तरह दिखता है। यह पतला तथा लंबा होता है। इसका उपयोग मलहम मिलाने के लिये किया जाता है।

3. डोकिंग मशीन - इसे टेल कटर भी कहते है। इसका उपयोग पूँछ काटने में किया जाता है।

BSE

www.oddyindia.com

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 17 (अथवा)

पशु जाँचकर्ता के चार गुण निम्नलिखित हैं (There are four characteristics of an animal examiner) :-

1. पशु जाँचकर्ता को अपने निर्णय पर दृढ़ रहना चाहिए। जाँचकर्ता अनुभवी होनी चाहिए। इस कार्य को करने से पहले उसको प्रदर्शनियों में पुरस्कार पाने वाले व्यक्तियों की जाँच करने की विधि को देखना चाहिए।

2. निर्णायक (जाँचकर्ता) में वांछित तथा अवांछित गुणों की परख कर उपयुक्त निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। उसे इतना सक्षम होनी चाहिए कि वह निर्णय के कारणों की लिखित तथा मौखिक पुष्टि कर सके।

3. जिस कार्य के लिये पशु का चयन करना हो उसके संबंध में पूर्ण जानकारी होनी चाहिए। उसके मस्तिष्क में आदर्श पशु का चित्र उपस्थित हो।

कुल अंक

प्रश्न क्र.

८. जाँचकर्ता को सभी पहलुओं पर उचित ध्यान देना चाहिए। उसकी कार्य में रुचि भी होनी चाहिए।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र. -18 (अथवा)

इन्क्यूबेटर के प्रयोग के चार लाभ निम्नलिखित है (There are four advantages of using incubators) :-

1. इन्क्यूबेटर का उपयोग अण्डे सेने में किया जाता है। अधिक मात्रा में अण्डे सेने के लिये इन्क्यूबेटर यंत्र उपयोगी है।

B S E

2. दीर्घकालीन प्रयोग के लिये इन्क्यूबेटर अच्छा माध्यम है।

3. इन्क्यूबेटर से अण्डे सेने के बाद प्राय: चूजों को रोग नही लगते है। प्राकृतिक विधि से अण्डे सेने के दौरान अण्डे गंदे हो जाते है। इन्क्यूबेटर में ~~तापक्रम~~, ऑक्सीजन, कार्बन-डाई-ऑक्साइड, आर्द्रता की मात्रा क्रमश: ~~100°C~~, 21%, 0.5%, आर्द्रता 6% रखी जाती है।

4. बड़े मुर्गीपालकों के लिये यह विधि अच्छी है। प्राकृतिक विधि में अंडे सेने के लिये अधिक समय लगता है। इन्क्यूबेटर से कम समय लगता है। इन्क्यूबेटर में स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र.- 19 (अथवा)

रानीखेत बीमारी की खोज - 1928 ई.

लक्षण (characteristics) :-

1. रानीखेत रोग में अधिक संख्या में मुर्गियाँ बीमार पडती है। मुर्गियों को भूख नही लगती है जिससे वे कमजोर हो जाती है। मुर्गियों को बार-बार प्यास लगती है।

2. मुर्गियों के नासारंध्रों से लसलसा पदार्थ बहता है जिससे उन्हें सांस लेने में कठिनाई होती है तथा वे अपना मुँह खोले रहती है। मुर्गियों को दस्त लगते है।

3. रानीखेत बीमारी के लक्षण श्वसन तंत्र, पाचन तंत्र तथा रक्त संचरण तंत्र पर स्पष्ट दिखाई देते है।

B S E

ST-16A4

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3. रानीखेत बीमारी के कारण प्राय: 2-3 दिनों में ही मुर्गियों की मृत्यु हो जाती है।
यह बीमारी मुख्यत: ~~की~~ कबूतर, मुर्गी तथा कौवा को होती है।
इस रोग की मृत्यु दर 80%- 100% तक होती है।

BSE

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16

कुल अंक

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्र० - 20

आदर्श राशन के गुण (characteristics of ideal ratio) :-

1. पाचकता (Digestibility) - पशुओं को दिया जाने वाला आहार पाचक होना चाहिए।
भोजन के पाचक होने के कारण पशु को उसमें उपस्थित सभी पोषक तत्व प्राप्त होते है।
हे", साइलेज अधिक पाचक होते है।

2. भारीपन (Bulkiness) - आहार में भारीपन का भी गुण होना चाहिए।
पशु को भारीपन का अहसास न होने पर उसकी भूख की संतुष्टि तथा उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
अनाज भारीपन का अहसास कराते हैं।

B
S
E

Laser, Inkjet & Copier Label ST-16 A4 99.1mm x 33.9mm x 16
Oddy

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 25 के अंक कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3. संतुलित भोजन - संतुलित भोजन में प्राय : सभी पोषक तत्व विद्यमान होते है।
संतुलित भोजन से पशुओं का उचित विकास होता है।
संतुलित भोजन में सभी श्रेणी के आहार आते है जैसे :- अनाज, चारा, खलियाँ आदि।
इस प्रकार उन्हें रुचिकर तथा स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होता है।

B
S
E

4. नियमित भोजन - पशुओं को नियमित भोजन खिलाने से वे स्वस्थ रहते है।
नियमित भोजन मिलने के कारण उत्पादकता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नही पडता है।